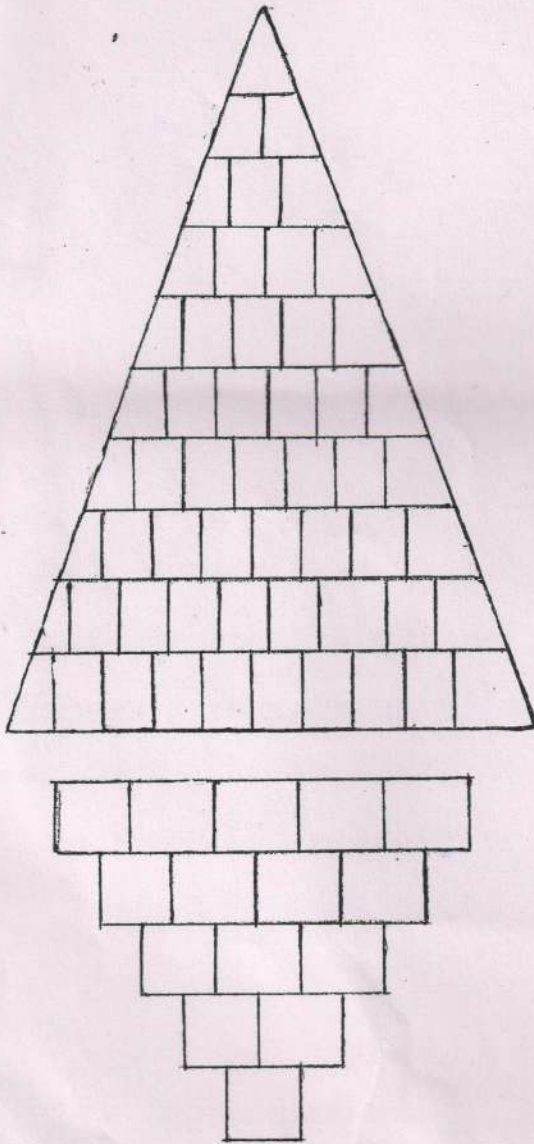


जय भिक्षु

जय तुलसी

जय महाप्रज्ञ

सन्निध्य मुनि श्री अर्हत् कुमार जी . तत्त्व विमर्श निर्देशन मुनि श्री भरत कुमार जी



१. राशि कितनी है
२. शरीर के आधार पर जीवों के बनाये हुये समूह को क्या कहते हैं ?
३. सातवाँ बल प्राण कौनसा है ?
४. जिसके स्पर्शन और रसना ये दो इन्द्रियाँ हो ऐसे जीवों के समूह को क्या कहते हैं ?
५. जीव और पुद्गल किसके आधार से चलते हैं ?
६. दूसरों की निन्दा करना कौनसा पाप है ?
७. कुदेव कुगुरु और कुधर्म पर श्रद्धा रखना कौनसा पाप है ?
८. चौथी पर्याप्ति कौनसी है ?
९. किस कर्म के क्षय होने पर अनन्त दर्शन का गुण प्रकट होता है।
१०. यह चारित्र्य प्रथम और अन्तिम तीर्थकर के शासन काल में होता है।
११. देवगति की उत्कृष्ट आयु ३३ होती है।
१२. सावद्य प्रवृत्तियों का तीन करण तीन योग से त्याग करना कहलाता है।
१३. काय की ममता एवं काय के व्यापार का त्याग करना।
१४. मन को एकाग्र करके शुभ विचारों में लगाना।
१५. अशुभ ध्यान कितने है।